भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 892

जिसका उत्तर 24.07.2025 को दिया जाना है

मैसूर हवाई अड्डे के विस्तार के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग का पुनर्संरेखण

†892. श्री यदुवीर वाडियार:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को मैसूर हवाई अड्डे के विस्तार के लिए मैसूर-नंजनगुडा-गुंडलुपेट-ऊटी राष्ट्रीय राजमार्ग के पुनर्संरेखण के संबंध में कर्नाटक सरकार से कोई औपचारिक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने संशोधित संरेखण योजना की समीक्षा की है या उसे अनुमोदित किया है और यदि हाँ, तो प्रस्तावित संरेखण क्या है और उसके कार्यान्वयन की अपेक्षित समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने मैसूर-नीलगिरि गलियारे में माल ढुलाई और पर्यटन संपर्क पर पुनर्संरेखण के प्रभाव का कोई आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का हवाई अड्डा विस्तार परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए राज्य सरकार के समन्वय में पुनर्संरेखण निर्णय में तेजी लाने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) (ख) और (घ) जी, हाँ। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने मैसूर हवाई अड्डे के विकास को सुगम्य बनाने के लिए एनएच-766 के मैसूर-नंजनगुड खंड के मार्ग परिवर्तन का अनुरोध किया है। विस्तार को सुविधाजनक बनाने के लिए कर्नाटक सरकार के परामर्श से संरेखण की समीक्षा की गई है।

(ग) एनएच-766 के मार्ग परिवर्तन के कारण मैसूर -नीलगिरी कॉरिडोर पर कोई प्रमुख प्रभाव नहीं है क्योंकि यह केवल मैसूर हवाई अड्डे के विस्तार को सुविधाजनक बनाने तक ही सीमित है।

*****